

उत्तर अजाला

नैनीताल, गुरुवार 3 नवम्बर, 2011

(कार्तिक शुक्ल अष्टमी संवत् 2068) पृष्ठ 12 उक्त पंजी. सं. UANTL-26/2009-2011 मूल

नैनीताल, गुरुवार 3 नवम्बर, 2011

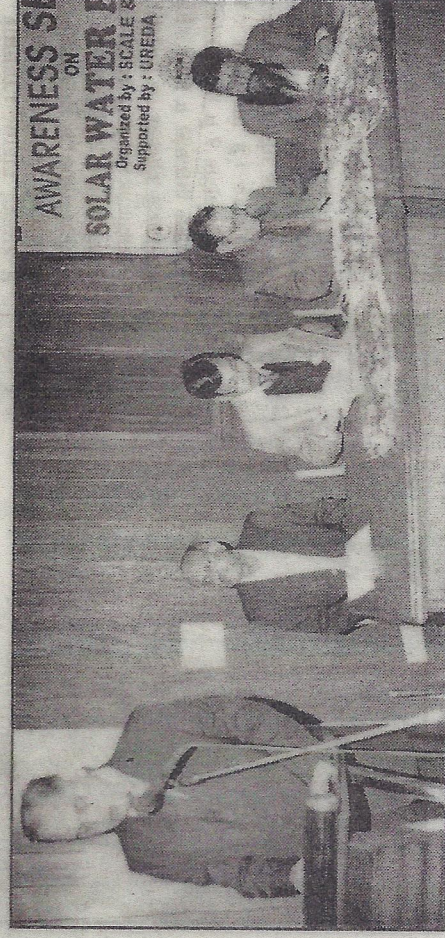
उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सौर ऊर्जा के प्रयोग में काफी पीछे

सोलर वाटर हीटर के प्रयोग से 60 फीसदी बिजली, ईंधन की बचत संभव : मैथल

नैनीताल। ग्रीनटेक कालेज सोल्यूसन व सोसायटी टू क्रिएट अवयरेनेस टू वाईस लाइफ एण्ड एन्वायरमेंट स्कूल के तलावधाम में उखड़ा के सहयोग से एक होटल में सोलर वाटर हीटर्स के प्रति जनजागरूकता के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में ग्रीनटेक कालेज सोल्यूसन के डायरेक्टर डा. समीर मैथल ने कहा कि सोलर वाटर हीटर का प्रयोग कर हम 60 फीसदी तक बिजली, कोयला व तेल की बचत कर सकते हैं। उन्होंने बताया सोलर वाटर हीटिंग प्रणाली नवीन तकनीक और कारगर है। उन्होंने



कार्यशाला को संबोधित करते स्कूल संस्था के सचिव अरुण सिन्हा

बताया, विश्व में सोलर सिस्टम का ज्यादा सौर ऊर्जा का प्रयोग होता है। उसके बाद पूना, नागपुर, राजकोट, मनाली, धर्मशाला आदि क्षेत्रों में भी इस प्रणाली का प्रयोग हो रहा है। आस्ट्रेलिया में भी सोलर सिस्टम का बहुतायत में प्रयोग होता है। उन्होंने बताया कि भारत में बंगलूरु में सबसे

ने बताया, सोलर वाटर हीटिंग सिस्टम के स्टॉलेशन के सन्दर्भ में जानकारी प्रदान करने के लिये विभिन्न जनपदों में अधिकारी तैनात किये गये हैं। साथ ही फ्री टेक्निकल सेवा भी मुहैया कराई जा रही है। एमएनआरई के डायरेक्टर डा. आरपी गोस्वामी ने केन्द्र द्वारा हिमालयी राज्यों के लिये सोलर वाटर हीटर सिस्टम के लिए प्रदान की जाने वाली सब्सिडी की जानकारी दी। नाबाई के महाप्रबन्धक पीके मिश्रा ने सोलर वाटर हीटिंग सिस्टम के लिये संचालित ऋण योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यशाला में देहरादून के संगीत शर्मा, बंगलूरु के टी अनंत, नई दिल्ली के अनिल आजाद व रिचर्ड सेक्यूरिया, नैनीताल के डा. अजय रावत, राजा साह, विशाल खन्ना, वैद प्रकाश साह, वी चन्दा, गीता पाण्डे, पीएस नेगी, डा. नरेन्द्र सिंह समेत कई लोग उपस्थित थे।

बड़ा कारण इस प्रणाली के प्रति जागरूकता की कमी होना है। उन्होंने बताया कि विभिन्न शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, होटलों आदि में इस प्रणाली का उपयोग किया जा सकता है। उखड़ा के एसपीओ एलडी शर्मा